The Institute of Chartered Financial Analysts of India University, Jharkhand

Press Release

रांची
18/09/2019

इकफ़ाई विश्वविद्यालय में इंजीनियर दिवस मनाया गया

आज, इकफ़ाई विश्वविद्यालय झारखंड के छात्रों और शिक्षकों द्वारा इंजीनियर्स डे बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। इस वर्ष के इंजीनियर्स डे का विषय, "सतत विकास के लिए प्रभावी जल प्रबंधन" था। इससे पहले, भगवान विश्वकर्मा पूजा छात्रों और संकाय सदस्यों द्वारा भक्ति के साथ की गई थी। समारोह के विषय पर केंद्रित पोस्टर, पेंटिंग, मॉडल बिल्डिंग और प्रस्तुतियों जैसे क्षेत्रों में छात्रों ने उत्साह से भाग लिया। न्यायाधीशों के एक पैनल द्वारा उनका मूल्यांकन किया गया और शीर्ष तीन सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। सर्वश्रेष्ठ मॉडल का पुरस्कार डिप्लोमा इन टेक्नोलॉजी (माइनिंग) के छात्रों को दिया गया, जो ओपन केस कोल माइन में एकीकृत जल प्रबंधन को प्रदर्शित किया हैं। दूसरा पुरस्कार बीटेक छात्रों को गया जिन्होंने कम लागत-प्रभावी पोर्टेबल प्रोग्राम कंप्यूटर का प्रदर्शन किया। तीसरा पुरस्कार बीटेक छात्रों को गया, जिन्होंने एक एकीकृत जल संरक्षण प्रणाली मॉडल को दिखाया।

इस अवसर पर छात्रों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो। ओआरएस राव ने कहा, “आज हम तीन महान इंजीनियरों के जन्मदिन मना रहे हैं - भगवान विश्वकर्मा, दैवीय वास्तुकार, सर एम। विश्वेश्वरय्या, 20 वीं शताब्दी में भारत के वास्तुकार और आधुनिक भारत के वास्तुकार श्री नरेंद्र मोदी। हम सभी इन तीनों से बहुत सी चीजें सीख सकते हैं, जिसमे सफलता के लिए आवश्यक, प्रतिबद्धता, दृढ़ संकल्प, साहस, कड़ी मेहनत, सादगी, ईमानदारी आदि शामिल हैं। समारोह के विषय का उल्लेख करते हुए, प्रो राव ने कहा, “जल एक जीवन रक्षक संसाधन है और जब तक हम इसे प्रभावी ढंग से प्रबंधित नहीं करते हैं, यह मानव जाति के अस्तित्व और सतत विकास को प्रभावित करेगा। प्रोफेसर राव ने कहा कि बाढ़ और सूखा प्रभावित क्षेत्रों को संतुलित करने के लिए अपशिष्ट जल के संरक्षण और पुनर्चक्रण, उचित और लागत प्रभावी प्रौद्योगिकियों को तैनात करने के लिए आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में ठोस प्रयासों की जरूरत है।

गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में समारोह को संबोधित करते हुए, श्री भोला सिंह, निदेशक (परियोजनाएं), सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड, ने कहा, “एक अच्छा इंजीनियर विश्लेषणात्मक होना चाहिए और व्यावहारिक अनुप्रयोगों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की अवधारणाओं को लागू करने में सक्षम होना चाहिए। इसके अलावा, उसे अनुकूल और नैतिक होना चाहिए, ताकि वह एक सफल पेशेवर बन जाए ”। श्री भोला सिंह ने यह भी बताया कि ओपन कास्ट कोल माइंस में जल प्रबंधन कैसे प्रभावी ढंग से किया जा सकता है।

प्रोफेसर अरविंद कुमार, रजिस्ट्रार, डॉ। श्री रंजन, एचओडी (आईटी) और अन्य संकाय सदस्यों और कर्मचारियों ने समारोह में भाग लिया, प्रो। यू के शर्मा, एचओडी (खनन) ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा।

======